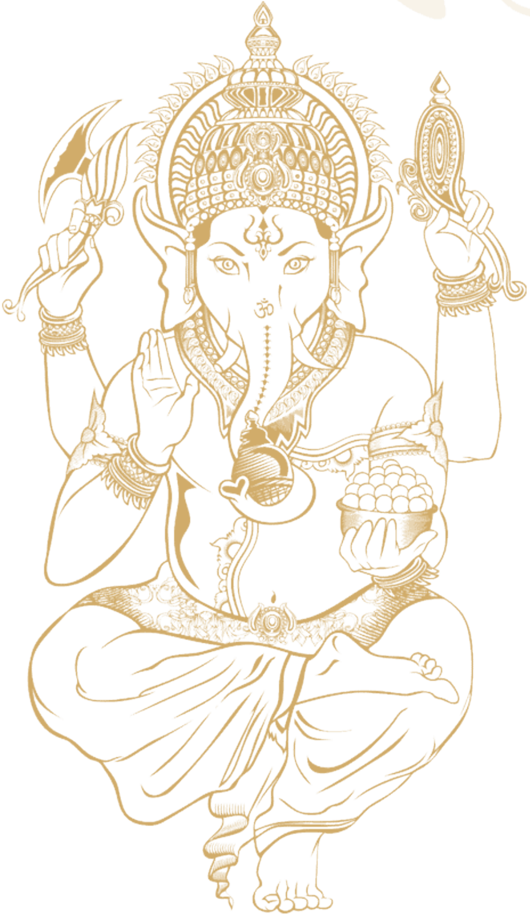

10 Aug 1990

02:47 AM

Dehradun

Model: web-freekundliweb

Order No: 121141906

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	**: 9-10/08/1990**
दिन	: गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**: 02:47:00 घंटे**
इष्ट	: 52:45:30 घटी
स्थान	**: Dehradun**
राज्य	: Uttarakhand
देश	: India

अक्षांश	: 30:19:00 उत्तर
रेखांश	: 78:03:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:17:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 02:29:12 घंटे
वेलान्तर	: -00:05:32 घंटे
साम्पातिक काल	: 23:41:36 घंटे
सूर्योदय	: 05:40:47 घंटे
सूर्यास्त	: 19:05:21 घंटे
दिनमान	: 13:24:33 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: वर्षा
सूर्य के अंश	: 23:17:15 कर्क
लग्न के अंश	: 15:20:21 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**: मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**: उ०भाद्रपद - 1**
नक्षत्र स्वामी	: शनि
योग	: सुकर्मा
करण	: बव
गण	: मनुष्य
योनि	: गौ
नाड़ी	: मध्य
वर्ण	: विप्र
वश्य	: जलचर
वर्ग	: सर्प
युँजा	: अन्त्य
हंसक	: जल
जन्म नामाक्षर	: दू-दूधेश्वर
पाया(राशि-नक्षत्र)	: ताम्र - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	15:20:21	318:15:41	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			कर्क	23:17:15	00:57:32	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			मीन	04:01:24	13:42:46	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
मंगल			मेष	24:21:43	00:35:50	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	स्वराशि
बुध			सिंह	20:35:21	01:02:15	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
गुरु			कर्क	04:27:24	00:13:03	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	उच्च राशि
शुक्र			कर्क	01:21:18	01:13:02	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
शनि	व		धनु	26:27:46	00:03:42	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	सम राशि
राहु	व		मक	13:32:25	00:01:14	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	13:32:25	00:01:14	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	मित्र राशि
हर्ष	व		धनु	12:23:03	00:01:38	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
नेप	व		धनु	18:34:33	00:01:15	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
प्लूटो			तुला	21:18:06	00:00:30	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	---
दशम भाव			मीन	01:15:42	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:43:48

लग्न-चलित

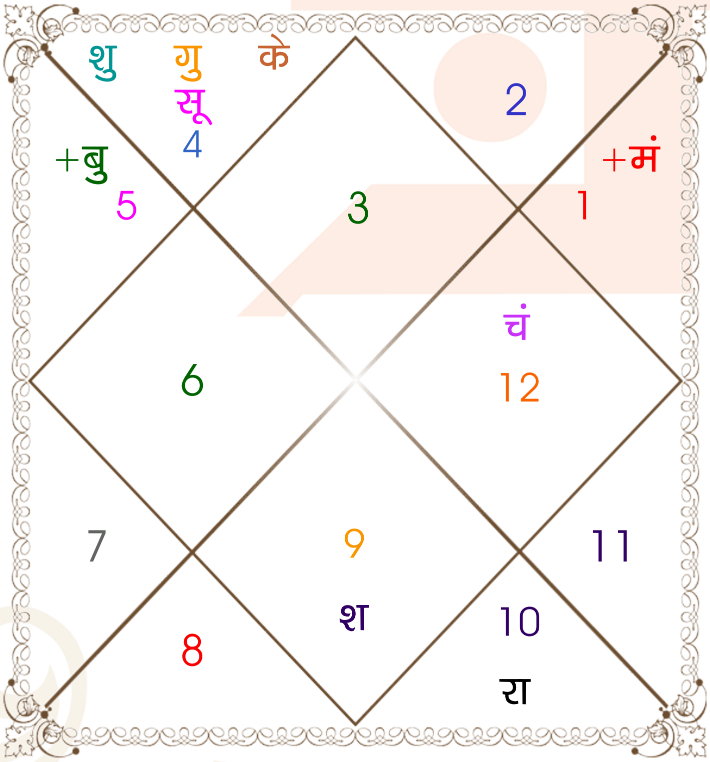

चन्द्र कुंडली

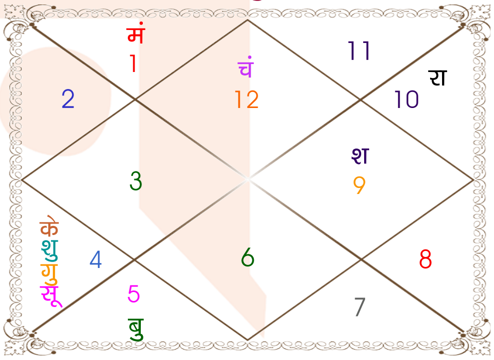

नवमांश कुंडली

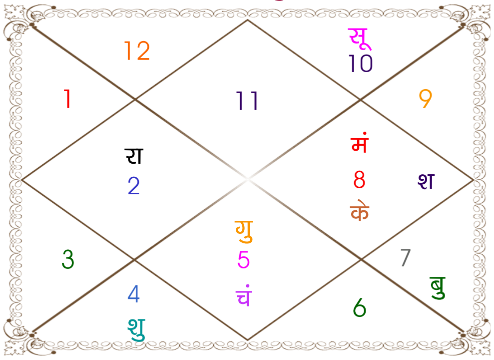

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 18 वर्ष 0 मास 6 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
10/08/1990		15/08/2008		15/08/2025		15/08/2032		15/08/2052	
15/08/2008		15/08/2025		15/08/2032		15/08/2052		16/08/2058	
शनि	18/08/1992	बुध	12/01/2011	केतु	12/01/2026	शुक्र	16/12/2035	सूर्य	03/12/2052
बुध	28/04/1995	केतु	09/01/2012	शुक्र	14/03/2027	सूर्य	15/12/2036	चंद्र	03/06/2053
केतु	06/06/1996	शुक्र	09/11/2014	सूर्य	20/07/2027	चंद्र	16/08/2038	मंगल	09/10/2053
शुक्र	07/08/1999	सूर्य	15/09/2015	चंद्र	18/02/2028	मंगल	16/10/2039	राहु	03/09/2054
सूर्य	19/07/2000	चंद्र	14/02/2017	मंगल	16/07/2028	राहु	16/10/2042	गुरु	22/06/2055
चंद्र	17/02/2002	मंगल	11/02/2018	राहु	03/08/2029	गुरु	16/06/2045	शनि	03/06/2056
मंगल	29/03/2003	राहु	30/08/2020	गुरु	10/07/2030	शनि	15/08/2048	बुध	10/04/2057
राहु	02/02/2006	गुरु	06/12/2022	शनि	19/08/2031	बुध	16/06/2051	केतु	15/08/2057
गुरु	15/08/2008	शनि	15/08/2025	बुध	15/08/2032	केतु	15/08/2052	शुक्र	16/08/2058

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
16/08/2058		15/08/2068		16/08/2075		15/08/2093		16/08/2109	
15/08/2068		16/08/2075		15/08/2093		16/08/2109		00/00/0000	
चंद्र	16/06/2059	मंगल	11/01/2069	राहु	28/04/2078	गुरु	04/10/2095	शनि	11/08/2110
मंगल	15/01/2060	राहु	30/01/2070	गुरु	21/09/2080	शनि	16/04/2098		00/00/0000
राहु	16/07/2061	गुरु	06/01/2071	शनि	29/07/2083	बुध	23/07/2100		00/00/0000
गुरु	15/11/2062	शनि	15/02/2072	बुध	14/02/2086	केतु	29/06/2101		00/00/0000
शनि	15/06/2064	बुध	11/02/2073	केतु	05/03/2087	शुक्र	28/02/2104		00/00/0000
बुध	15/11/2065	केतु	10/07/2073	शुक्र	04/03/2090	सूर्य	16/12/2104		00/00/0000
केतु	16/06/2066	शुक्र	09/09/2074	सूर्य	27/01/2091	चंद्र	17/04/2106		00/00/0000
शुक्र	15/02/2068	सूर्य	15/01/2075	चंद्र	28/07/2092	मंगल	24/03/2107		00/00/0000
सूर्य	15/08/2068	चंद्र	16/08/2075	मंगल	15/08/2093	राहु	16/08/2109		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 18 वर्ष 0 मा 4 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।